राजधानी •
वर्ष 18 | अंक 165 | पृष्ठ : 16+6
मूल्य : चार रुपये
6 राज्य • 2 केंद्रशासित प्रदेश • 21 संस्करण

अमर उजाला

नई दिल्ली
बुधवार, 23 सितंबर 2020

मानसून सत्र | निलंबित आठ सांसदों का धरना खत्म, राज्यसभा का बहिष्कार शुरू | दिल्ली-एनसीआर

फिल्मी हस्तियों ने फिल्म सिटी की स्थापना को खुले दिल से सराहा

निर्माता-निर्देशकों व गीतकार-संगीतकारों ने योगी सरकार को सहयोग का दिया आश्वासन

लखनऊ। फिल्म जगत की हस्तियों ने उत्तर प्रदेश में फिल्म सिटी की स्थापना की योगी सरकार की घोषणा का खुले दिल से स्वागत किया है। फिल्म सिटी की स्थापना के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मंगलवार को हुई पहली बैठक में फिल्म निर्माताओं, निर्देशकों, गीतकार और संगीतकारों ने एक सुर में कहा कि उत्तर प्रदेश की फिल्म सिटी अंतरराष्ट्रीय फिल्मोद्योग को आकर्षित करेगी। बैठक में फिल्मी हस्तियों ने फिल्म सिटी को लेकर अपने सुझाव देते हुए इस कार्य में सरकार का पूरा सहयोग करने का आश्वासन दिया।

ताजमहल की तरह दुनिया को आकर्षित करेगी फिल्म सिटी

आज का मौका उत्सव का है, मुख्यमंत्री योगी आदित्नाथ की क्षमता पर सभी को भरोसा है। फिल्म सिटी यूपी में तो होगी लेकिन पूरी दुनिया इसे अपना मानेगी। यह ताजमहल की तरह ही दुनिया भर को आकर्षित करेगी। इसकी स्थापना की पहली बैठक में आमंत्रित कर योगी ने हमें इतिहास में दर्ज कर दिया। इस सपने को साकार करने में अगर मैं भी भागीदार हो सका तो यह मेरा सौभाग्य होगा।

–अनुपम खेर, फिल्म अभिनेता

फिल्म पटकथा लेखन के लिए भी प्रयास हों

उत्तर प्रदेश में फिल्म सिटी की स्थापना स्वागतयोग्य कदम है। मुझे विश्वास है कि फिल्म सिटी निर्माण का सपना योगी अवश्य पूरा करेंगे। फिल्म पटकथा लेखन को लेकर वे कोई प्रयास करें तो बहुत सहायता मिलेगी। यह रीजनल सिनेमा को भी पुनर्जीवन देने वाला आयाम सिद्ध होगा।

–परेश रावल, चेयरमैन, नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा

प्रतिभाओं के हौसलों को पंख लगेंगे

मुझे हर्ष है कि सीएम योगी आदित्यनाथ ने फिल्म जगत को नया विकल्प देने की दिशा में कोशिश की है। यह छोटे-छोटे शहरों की अद्भुत प्रतिभाओं के हौसलों, सपनों को पंख देने वाला होगा। मैं हर समय, पूरी क्षमता के साथ सेवा के लिए प्रस्तुत रहूंगा।

–राजू श्रीवास्तव, अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश फिल्म बंधु

12 भारतीय भाषाओं के फिल्मोद्योग का महाद्वार होगी

यूपी फिल्म सिटी पंजाबी, बंगाली, हिंदी सहित सहित 12 भारतीय भाषाओं के फिल्मोद्योग का महाद्वार होगी। फिल्म सिटी को ईको फ्रेंडली बनाने की कोशिश होनी चाहिए। आज ओटीटी प्लेटफॉर्म पर हिंदी पट्टी की कहानियां छायी हुई हैं। रंगकर्म में यूपी अत्यंत समृद्ध है। 70 प्रतिशत टेक्नीशियन यूपी के हैं। इन सभी को आत्मनिर्भर बनाने में फिल्म सिटी उपयोगी हो सकती है।

– मनोज जोशी, अभिनेता

पूरी दुनिया की फिल्म सिटी का अध्ययन हो

उत्तर प्रदेश में फिल्म सिटी की स्थापना का प्रयास अभिनंदनीय है। इसके लिए पूरी दुनिया की फिल्म सिटीज का अध्ययन किया जाना चाहिए। उनकी खूबियों, कमियों को समझना चाहिए। आवश्यकताओं के लिहाज से सुविधाएं दी जाएं। यह फिल्मी दुनिया के लिए महत्वपूर्ण प्रयास है।

– अनूप जलोटा, गायक

कला साधकों को सम्मान मिले

योगी आदित्यनाथ स्वयं नेतृत्व कर रहे हैं तो कोई भी कार्य असाध्य नहीं है। दुनिया में फिल्म सिटी के नाम पर लाखों किले खड़े हैं, मगर भारत में लोगों ने 70 साल में क्या हाल कर दिया, उसे देखकर घिन और शर्म आती है। उत्तर प्रदेश देवताओं की पुण्यभूमि है। दुनिया को राह दिखाने वाली है। योगी की यह पहल दुनिया में भारतीय संस्कृति को पोषित करने वाली हो। कला साधकों को सम्मान मिले। मेरा विश्वास है कि ऐसा अवश्य होगा। योगी आदेश करेंगे तो हम धावक हैं, दौड़ पड़ेंगे। **–कैलाश खेर**, गायक

पूरी दुनिया को प्रभावित करेगी यूपी फिल्म सिटी

यूपी शूटिंग फ्रेंडली है। आज का दिन पूरी दुनिया के कला क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक है। योगी फिल्म जगत को एक नवीन विकल्प दे रहे हैं। जो प्रजेंटेशन दिखाया गया, वह हमें एक बेहतर भविष्य की छवि दिखा गया। यूपी की संस्कृति ने भारतीय फिल्मों को शुरू से ही प्रभावित किया है, अब यहां की फिल्म सिटी पूरी दुनिया को प्रभावित करेगी।

–सतीश कौशिक, फिल्म निर्माता-निर्देशक

मैं भी कुछ योगदान कर सका तो जीवन को धन्य समझूंगा

योगी ने बहुत कम समय में बहुत खूबसूरत काम किया है। फिल्म सिटी की घोषणा से हम सभी का उत्साहित होना लाजिमी है। मैं 40 साल फिल्म जगत का हिस्सा रहा हूं। इस सपने को साकार करने में अगर मैं भी कुछ योगदान कर सका तो जीवन को धन्य समझूंगा।

–उदित नारायण, पार्श्व गायक

करोड़ों प्रतिभाओं को पंख दिए

योगी आदित्यनाथ ने फिल्म सिटी की स्थापना की घोषणा कर करोड़ों प्रतिभाओं को पंख दे दिए। 75 साल से हिंदी पट्टी इसका इंतजार कर रही थी। यूपी की भाषा तो दुनिया में फैल गई, लेकिन यूपी की कहानियां नहीं सुनाई गईं। योगी से अनुरोध है कि एक फिल्म इंस्टीट्यूट और म्यूजिक इंस्टीट्यूट की स्थापना की दिशा में भी विचार करें। आल्हा ऊदल, महामना मालवीय जैसे महामानवों से नई पीढ़ी को परिचित कराने की कोशिश हो।

–मनोज मुन्तशिर, गीतकार

दुनिया के लिए मिसाल बनेगी यूपी की फिल्म सिटी

मुख्यमंत्री ने कहा-सभी सुविधाएं विश्वस्तरीय होंगी, सबकी उम्मीदों को पूरा करने वाली होंगी

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बनने वाली फिल्म सिटी पूरी दुनिया के लिए मिसाल बनेगी। फिल्म सिटी पूरी तरह विश्व स्तरीय सुविधाओं से युक्त होगी। हमारा प्रयास रहेगा कि इसे मनोरंजन व ज्ञान के लिए समर्पित क्षेत्र बनाया जाए। आने वाला समय ओटीटी व मीडिया स्ट्रीमिंग का है। इसके लिए विश्व स्तरीय उच्च क्षमता के डाटा सेंटर की स्थापना भी की जाएगी। कंटेंट डिस्ट्रीब्यूशन के लिए सहज व सुरक्षित व्यवस्था के साथ आयकर में छूट देने की सुविधा पर भी विचार किया जा रहा है। सभी के सहयोग से यह फिल्म सिटी जल्द ही आकार लेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी भारतीय संस्कृति, सभ्यता और समृद्ध परंपरा का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र है। यमुना एक्सप्रेस-वे क्षेत्र में जहां यह फिल्म सिटी विकसित करने का विचार है, वह भारत के ऐतिहासिक, पौराणिक इतिहास से संबद्ध है। यह हस्तिनापुर का क्षेत्र है। यूपी फिल्म सिटी सभी की उम्मीदों को पूरा करने वाली होगी।

ये हैं प्रमुख लक्ष्य

फिल्म सिटी की स्थापना का प्रमुख लक्ष्य मीडिया और आर्ट प्रोडक्शन के लिए स्थान उपलब्ध कराने के साथ ही फिल्म जगत के लोगों और पर्यटकों को मनोरंजन और अध्ययन के अवसर उपलब्ध कराना है। उन्हें रेल, सड़क और वायु मार्ग की बेहतर कनेक्टिविटी की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

डिजिटल टीवी स्टूडियो भी बनेगा

फिल्म सिटी में एक बड़ा डिजिटल टेलीविजन स्टूडियो भी बनाया जाएगा। इसमें बड़े सेट और लाइटिंग रिंग होंगी। स्टूडियो में गैलरी, ग्रीन रूम, ऑफिस, लग्जरी ड्रेसिंग रूम और दर्शकों के बैठने की सुविधा भी होगी।

शूटिंग देख सकेंगे पर्यटक

फिल्म सिटी घूमने आने वाले पर्यटक वहां चल रही फिल्मों की शूटिंग भी देख सकेंगे। इसके लिए एक दर्शन गैलरी बनाई जाएगी, जहां लोग स्क्रीन पर शूटिंग देख सकेंगे। इसके अतिरिक्त ग्लास रूम से भी शूटिंग देखने को मिलेगी।

अंतरराष्ट्रीय बॉलीवुड म्यूजियम

फिल्म सिटी में अंतरराष्ट्रीय बॉलीवुड म्यूजियम स्थापित किया जाएगा। इसमें कला की सुविधाओं का प्रदर्शन होगा। इसमें भारतीय सिनेमा के विस्तृत इतिहास का प्रस्तुतीकरण किया जाएगा। फिल्मों के इतिहास और फिल्म निर्माण के विभिन्न चरणों का भी प्रदर्शन किया जाएगा।

एक ही परिसर में मंदिर बाजार और गांव

फिल्म सिटी में शूटिंग के लिए एक ही परिसर में हर राज्य के गांवों का सेट उपलब्ध रहेगा। आउटडोर लोकेशन के लिए बाजार, मंदिर, दुकान, आकर्षक पार्क, तालाब और पहाड़ भी रहेंगे।

फिल्म यूनिवर्सिटी बनेगी

फिल्म सिटी में एक फिल्म यूनिवर्सिटी की स्थापना भी की जाएगी। इसमें राज्यों की कला और संस्कृति के अध्ययन की सुविधा होगी। वहीं विद्यार्थियों को मीडिया प्रोफेशनल के साथ काम करने का अवसर मिलेगा।

पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

फिल्म सिटी का उपयोग केवल फिल्म जगत के लोगों के लिए नहीं होगा बल्कि यह प्रदेश में पर्यटन का बड़ा केंद्र भी होगी। यहां पार्क, एम्यूजमेंट पार्क, लैंड स्कैपिंग, आकर्षक मूर्तियां, होटल, रेस्तरां और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स भी होंगे।

हर स्तर के होटल होंगे

फिल्म सिटी में डोरमेट्री से लेकर बजट होटल और तीन से लेकर पांच सितारा होटल तक स्थापित होंगे। कन्वेंशन हॉल की सुविधा भी रहेगी।

पांच हजार करोड़ में बनेगी फिल्म सिटी

लखनऊ। यमुना एक्सप्रेस-वे पर एक हजार एकड़ में बनने वाली फिल्म सिटी की स्थापना पर करीब पांच हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। फिल्म बंधु के एक अधिकारी ने बताया कि सरकार ने यमुना एक्सप्रेस-वे पर फिल्म सिटी बनाने की सैद्धांतिक सहमति दे दी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर की फिल्म सिटी पर पांच हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे।

फिल्म सिटी का प्रतीकात्मक प्रवेश द्वार

ये होंगे फिल्म सिटी के प्रमुख आकर्षण

- फिल्म प्रोडक्शन
- स्टूडियो
- आउटडोर लोकेशन
- पोस्ट प्रोडक्शन
- होटल
- क्लब हाउस
- गांव
- वर्कशॉप
- फिल्म यूनिवर्सिटी
- फूड कोर्ट
- रिटेल एंड शॉपिंग
- पर्यटन एवं मनोरंजन
- एम्यूजमेंट पार्क

पांच जोन में होगी फिल्म सिटी

- प्रवेश और ऑफिस
- शूटिंग एरिया और आवासीय क्षेत्र
- थीम पार्क और आउटडोर लोकेशन
- यूनिवर्सिटी और स्टूडियो कक्ष
- एयरपोर्ट

यह रहेगी जमीन की दर

- 4 हजार वर्ग मीटर तक : 6670 रुपये प्रति वर्ग मीटर
- 4 से 8 हजार वर्ग मीटर तक : 5680 रुपये प्रति वर्ग मीटर
- 8 से 20 हजार वर्ग मीटर तक : 4810 रुपये प्रति वर्ग मीटर
- 20 से 40 हजार वर्ग मीटर तक: 4370 रुपये प्रति वर्ग मीटर
- 40 से 80 हजार वर्ग मीटर तक: 4210 रुपये प्रति वर्ग मीटर
- 80 हजार वर्ग मीटर से अधिक : 4050 रुपये प्रति वर्ग मीटर

पानी की दर : ट्यूबवेल व रिसाइकिल पानी : 4 रुपये प्रति किलो लीटर

बिजली भी सस्ती मिलेगी

जहांगीरपुर में स्थित 768 केवी सबस्टेशन और फिल्म सिटी के प्रस्तावित स्थल से 3 किलोमीटर दूर सेक्टर 32 में स्थित 400 केवी सबस्टेशन से 6.8 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली आपूर्ति की जाएगी।

उनकी फ्लॉप पिक्चर उतरने वाली है : अखिलेश

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने फिल्म सिटी को लेकर राज्य सरकार की कवायद पर तंज कसा है। अखिलेश ने मंगलवार को ट्वीट करके कहा कि अब सपा काल की 'फिल्म सिटी' का श्रेय लेने के लिए प्रदेश की भाजपा सरकार कैंची लेकर फीता काटने को तैयार खड़ी है। पर अब न तो उसके अभिनेता का अभिनय काम आ रहा है, न ही कोई डायलॉग, उनकी फ्लॉप पिक्चर उतरने वाली है क्योंकि प्रदेश की असली तस्वीर बनाने वालों की एडवांस बुकिंग हो गई है।

योगी सरकार जो कहती है वह करती भी है : सिद्धार्थनाथ

राज्य सरकार के प्रवक्ता व एमएसएमई मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने अखिलेश यादव पर पलटवार किया। सिद्धार्थनाथ ने ट्वीट करके कहा कि सपा सरकार की कथनी और करनी में बहुत बड़ा अंतर था, उनके सभी अधूरे कार्य को भी योगी सरकार ने पूरे किए। फिल्म सिटी की आपने घोषणा तो की थी, लेकिन जमीन पर कुछ भी नहीं। पर योगी सरकार जो कहती है वह करती भी है। उत्तर प्रदेश की जागरूक जनता सपा के झूठे नाटकों को अच्छे से जानती है।

आर्टिस्ट, टेक्नीशियन की ट्रेनिंग की भी व्यवस्था हो

फिल्म सिटी की स्थापना का विजन बहुत शानदार है। इसमें आर्टिस्ट, टेक्नीशियन आदि की ट्रेनिंग की व्यवस्था भी करें तो बेहतर होगा। यूपी में अब भी फिल्मों का प्रसार बहुत कम है। थिएटर कम हैं। यहां विकास की बहुत संभावनाएं हैं। यूपी की यह फिल्म सिटी नई प्रतिभाओं को मंच देने वाली होगी।

–ओम राउत, फिल्म निर्माता

फिल्म सिटी का विजन 'बियोंड द ग्लोब' है

फिल्म सिटी के निर्माण में फिल्म जगत के लोगों को शामिल करने की सोच योगी आदित्यनाथ की सकारात्मकता का प्रतीक है। प्रोड्यूसर, टेक्नीशियन, एक्टर हमारी इंडस्ट्री के इन्फ्रास्ट्रक्चर हैं। इनकी सहभागिता इस बड़े प्रोजेक्ट के सफल होने की गारंटी है। योगी का विजन 'बियोंड द ग्लोब' रहा है। निश्चित ही यह फिल्मसिटी भी इसी विचार का प्रतिबिंब होगी। हमारी पूरी इंडस्ट्री कंधे से कंधा मिलाकर आपके सपने को पूरा करने के लिए तैयार है।

–अशोक पंडित, अध्यक्ष, फिल्म निर्देशक संघ

अंतरराष्ट्रीय फिल्म जगत को आकर्षित करेगी

योगी आदित्यनाथ के दृष्टिकोण को सैल्यूट है। फिल्म केवल नृत्य-संगीत ही नहीं है बल्कि लाखों लोगों को रोजगार, अरबों का व्यापार, हुनर और हौसलों का काम है। यूपी सरकार का प्रस्ताव अंतरराष्ट्रीय फिल्म जगत को आकर्षित करने वाला है। उत्तर प्रदेश देवताओं की जन्मस्थली है और धर्म, संस्कृति, कला का अद्भुत संगम है। फिल्म सिटी यूपी को और अधिक समृद्ध करेगी। फिल्म सिटी की सफलता के लिए हरसंभव मदद के लिए तैयार हैं।

–नितिन देसाई, निर्देशक

फिल्मोद्योग को नया आधार मिलेगा

मैं योगी आदित्यनाथ की अभिनव सोच और तत्परतापूर्ण क्रियान्वयन को प्रणाम करता हूं। यूपी में फिल्म सिटी बहुत जरूरी और बहुप्रतीक्षित प्रयास है। इससे हिंदी फिल्मोद्योग को एक नया आधार मिलेगा। **–विवेक अग्निहोत्री**, फिल्म निर्माता

एनिमेशन इंडस्ट्री पर भी ध्यान दिया जाए

भारत में अब भी एनिमेशन इंडस्ट्री नहीं है। आज की फिल्मों में इसका बड़ा असर है। योगी आदित्यनाथ अगर इस दिशा में कोशिश करें तो बड़ी सुविधा होगी। फिल्म सिटी की स्थापना की घोषणा एक अच्छा कदम है, इसके लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद।

–सौंदर्या, तमिल सुपरस्टार (रजनीकांत की बेटी)

फिल्म स्क्रीन की कमी को दूर करना भी जरूरी

यूपी में फिल्मसिटी का सपना दशकों से रहा है। आज वह सपना योगी आदित्यनाथ ने देखा है तो पूरा होना तय है। फिल्म सिटी के निर्माण में फिल्म जगत के तकनीकी जानकारों का जितना सहयोग लेंगे, उतनी ही फिल्म सिटी सफल होगी। मैंने अपनी फिल्मों में हमेशा से ही यूपी को रिप्रेजेंट किया है। बस इस सपने को यूपी बनाम महाराष्ट्र न बनने दिया जाए। हमसे जो बन सकेगा, हम पूरी क्षमता से करने को तैयार हैं। प्रदेश में फिल्म स्क्रीन की कमी है, योगी छोटे-छोटे कस्बों तक पहुंचाने के लिए कुछ प्रयास करें तो बड़ी मदद मिलेगी। अच्छे सिनेमा को ही प्रोत्साहित करना महत्वपूर्ण है।

– विनोद बच्चन, फिल्म निर्माता

फिल्म सिटी को एक संस्कृति के रूप में विकसित करें

दुनिया की सबसे महंगी फिल्म सिटी न्यूजीलैंड में बना रहे हैं। फिल्म सिटी केवल बिल्डिंग या सेट्स की जगह प्रोवाइड करा देना भर नहीं होता बल्कि यह एक संस्कृति है। अगर हमने उन लोगों को बेहतर माहौल और संस्कृति दी तो वे लोग भी यूपी में अवश्य आएंगे। फिल्म सिटी केवल उत्तर प्रदेश की लोकेशन बनकर नहीं रह जाए बल्कि इसे एक संस्कृति के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। यूपी सरकार की इच्छा शक्ति देखकर विश्वास होता है कि यहां एक अच्छी फिल्म सिटी स्थापित होगी। **– शैलेश सिंह**, निर्माता-निर्देशक

योगी आदित्यनाथ में बहुत क्षमता है। इन्होंने जो कार्य सोचा है, वह जरूर पूरा करेंगे। मेरे योग्य कोई कार्य हो तो खुद को सौभाग्यशाली समझूंगा।

–विजयेंद्र प्रसाद, फिल्म निर्देशक